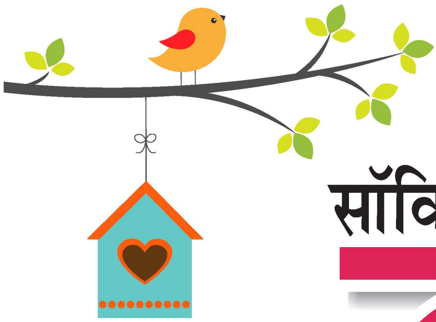

सॉविनिर

व्याकरण सरोवर

Text-cum-Workbook

04

TEACHER'S BOOK

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

व्याकरण सरोवर भाग - 4

अध्याय 1 - हमारी भाषा

(क) 1. हिंदी 2. मौखिक भाषा 3. देवनागरी 4. हिंदी भाषा

(ख)1. भाषा 2. लिपि 3. मौखिक भाषा

4. लिखित भाषा 5. फारसी 6. रोमन

(ग) असम - असमिया पंजाब - पंजाबी

तमिलनाडु - तमिल ओडिशा - उड़िया

(घ) मौखिक भाषा मौखिक भाषा मौखिक भाषा

लिखित भाषा लिखित भाषा लिखित भाषा

(ङ)1. हिंदी 3. रोमन 4. लिपि 6. तमिल 7. गुरुमुखी

2. देवनागरी 5. फारसी 8. पत्र

अध्याय - 2 वर्णमाला

(क) र् + आ + न् + ई ब् + आ + ल् + अ + क् + अ

प् + इ + त् + आ ज् + ई + व् + अ + न् + अ

(ख) बंदर शंख

आँख चाँद

प्रातः अतः

(ग) गुलाब चमेली सूरजमुखी

(घ) मृग कौआ

चिड़िया चुहिया

मूली तोता

अध्याय 3 संयुक्त व्यंजन

(क) ल्ल - दिल्ली , बिल्ली च्च - बच्चा , सच्चा

द्व - द्वारा, द्वार स्व - स्वागत, स्वयंवर

स्स - रस्सी, लस्सी त्त - सत्ता, पत्ता

(ख) (र)

रस्सी	पर्वत	प्रकाश	ड्रम
रथ	वर्षा	भ्रम	ट्रेन
रमन	कर्म	नम्र	ट्रक

(ग) क्ष - कक्षा, रक्षा ज्ञ - ज्ञान , अज्ञानी

ऋ - ऋतू, ऋण श्र - श्रम , श्रमिक

(घ) मच्छर

बच्चा पत्ता मक्खी मक्का लट्-टू बस्ता

रस्सी

अध्याय 4 शब्द

(क) ई - ईश्वर, ईख, ईद ऊ - ऊन, ऊपर, ऊसर

ए - एक , एतवार , एनी ओ - ओस, ओम, ओट

(ख) दो वर्ण बाले - घट, कह

तीन वर्ण बाले - अमल, रहट

चार वर्ण बाले - बरतन, अमरस

(ग) खेल-खेल में वह पौधों और फूलों को नुक़साम पहुँचाता था। एक दिन माली ने उसे फूल तोड़ते देख

लिया। माली ने उसे खूब डाँटा और समझाया कि उदयान में फूल तोडना मना है। इससे उदयान

की सुदरता को नुकसान पहुँचता है। बालक माली काका की बात को समझ गया तथा उसने

निश्चय किया कि वह फिर कभी ऐसा नहीं करेगा ताकि उद्यान की सुन्दरता बनी रहे।

अध्याय 5 नाम शब्द-संज्ञा

(क)

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
हिमालय	किताब	प्रसन्नता
रमेश	पर्वत	बचपन
लक्ष्मी	समोसा	सुदरता
दिल्ली	नदी	
रामायण		

(ख) चलना

दौड़ना लंबा छोटा

वह हँसना पढ़ना

(ग) कप गुलाब बचपन संतरा

चाय सुंदर जीवन

अवस्था

जग पेड़ बालक सूरज

पानी फल किताब आसमान

(घ) स्वयं करें।

(ङ) जातिवाचक - पुस्तक - लड़की

व्यक्तिवाचक - गीता - रमा

भाववाचक - पवित्रता - सुंदर

जातिवाचक - किला - दादा जी नदी

व्यक्तिवाचक - लाल किला - रामप्रसाद यमुना

भाववाचक - भव्यता - बुढ़ापा लंबाई

(च) कमल वायुयान लस्सी लड़की मोहन

चाबी रथ आगरा जल सीमा
मगर रगड़

अध्याय 6 - स्त्री-पुरुष

(क) 1. रानी 2. बैल 3. रखी 4. मक्खी 5. रजनी

(ख) राजा बस्ता पहाड़
ताला छाता लड़का रमेश
चीता ठेला पत्ता
गुलाब रवि
तोता पानी गिलास

(ग) मकड़ी ककड़ी यमुना
लड़की नेहा कली
छतरी हथिनी घोड़ी
खटिया कुरसी नानी
चाची

(घ) लड़का - लड़की चाचा - चाची
बैल - गाय नाना - नानी
पति - पत्नी हिरन - हिरनी
चूहा - चुहिया सिंह - सिंहनी
बंदर - बंदरिया

(ङ) पु. स्त्री. पु. स्त्री.

(च) घोडा - घोड़ी लड़का - लड़की
हाथी - हथिनी बूढ़ा - बुढ़िया
बंदर - बंदरिया मोर - मोरनी
चूहा - चुहिया

अध्याय 7 एक -अनेक

(क)1. पंखे 2. तितलियाँ 3. आँखे 4. पतंगे

(ख)1. मछलियाँ 2. तोते 3. सड़कें 4. बहन 5. केला

(ग) धोड़ा - घोड़े मेज़ - मज़े

अलमारी - अलमारियाँ दरी - दरियाँ

नदी - नदियाँ दवाई - दवाइयाँ

जूता - जूते

(घ) 2. रमन के घर में दो कुत्ते हैं।

3. उसके दो चाचा हैं।

4. आज दो दुकाने बंद हैं।

5. आसमान में चिड़िया उड़ रही है।

(ङ) मालाएँ

मंदिर के बाहर फूलों की मालाएँ बिक रही हैं।

जूते

जल्दी जूते पहनो स्कूल को देर हो रही है ।

लड़कियाँ

रमेश की दो लड़कियाँ हैं ।

मक्खियाँ

जलेबियों पर मक्खियाँ भिनभिना रही हैं।

तोते

तोते मानव की नकल करते हैं ।

(च) स्वयं करें ।

अध्याय 8 मैं , तुम और वह

(क) 1. तुम्हारी 2. मैं 3. आप 4. तुम 5. वह

(ख)1. तुम्हारी , कब 2. मैं, उसके 3. आप, वह

4. उन्होंने 5. वे, उनकी

(ग) 1. उसने खाना खाया। 2. मुझे दूध चाहिए।

3. जल्दी से उसे बुलाओ। 4. तुम कहाँ जा रहे हो?

5. हमने खाना खा लिया है।

(घ) मैं - मैं विद्यालय नहीं जाऊँगा। हम - हमने कल चिड़ियाघर देखा।

वह - वह सायंकाल खेलता है। तुम्हारा - रविवार को तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

तुम - तुम भी साथ चलो। उसकी - उसकी दादी बीमार हैं।

आप - आप मेरे साथ आइए। उन्होंने - उन्होंने कमल को याद किया है।

(ङ) तुम मुझे किसे वह उसे जिसे उसकी

(च) उन्होंने तुम सब वे उन्हें उनकी ये

जिन्हें इन्हें किन्हें

(छ) एक कौआ बहुत प्यासा था। वह पानी की तलाश में इधर - उधर उड़ा । उस को पानी कहीं नहीं

दिखाई दिया । अंत में वह एक बाग़ में आया । वहाँ उस को एक घड़ा दिखाई दिया । वह घड़े के पास पहुंचा । घड़े में पानी बहुत कम था । उस को एक योजना सूझी । उस ने पास पड़े कंकड़ घड़े में डालने शुरू किए ।थोड़ी ही देर में पानी ऊपर आ गया । उस की तरकीब काम कर गई ।उस ने पानी पिया और वह उड़ गया ।

अध्याय 9 विशेषण

(क)1. अँधेरी 2. महान 3. थोड़ा सा 4. गरम 5. दो

(ख) विशेषण विशेष्य

1. नीली साडी
2. एक किलो टमाटर
3. बुरा बालक
4. ताजा सब्जियाँ
5. काले बादल

(ग) हरी - घास

गरम - सूरज

खटटी - इमली

काला - कौआ

(घ) विशेषण विशेष्य

1. ठंडा पानी
2. मीठा सेब
3. सौ रूपए
4. अच्छा बालक
5. लाल गुलाब
6. चार पतंगें

(ङ) बड़ा - रोहन का बड़ा सुंदर घर है।

लगभग - मंच पर लगभग दो सौ आदमी थे।

ज्यादा - ज्यादा होशियार कौआ गंदी चीजें ही खता है।

काफी - तुम मेरा काफी कीमती वक्त बरबाद कर रहे हो।

(च) काले बादल रंग - बिरंग तितली तीन फूल

घने बादल सुंदर तितली लाल फूल

(छ) 2. काला कौआ चालाक लोमड़ी को देख रहा है।

3. सफ़ेद खरगोश लाल गाजर खा रहा है।

4. रंग-बिरंगी मछलियाँ स्वच्छ जल में तैर रही हैं।

5. स्वस्थ लड़का मीठा फल खा रहा है।

6. विशाल हाथी मस्त चल से चल रहा है।

अधयाय 10 क्रिया और काल

(क) 1. खाया 2. जाएगी 3. गाया 4. जगती है 5. दौड़ना है

(ख)1. कूद रही थी 2. खाना पकाना 3. आएँगे 4. पढ़ रही है

5. चार रही थी 6. सो रही है

(ग) 1. सुबह आठ बजे मैं विद्यालय गया।

2. दोपहर दो बजे भोजन किया।

3. सायं 5 बजे खेलने के लिए पार्क गया।

4. शाम को पानी भरा।

1. कल रविवार है अतः मई पार्क फुटबाल खेलने जाऊँगा।

2. पिता जी के साथ कही घूमने मूवी देखने जाऊँगा।

3. कल बाजार से अपने लिए स्कूल के जूते भी लेन हैं।

4. बचा हुआ होमवर्क भी करेंगे।

1. आसपास अनेक तेह के वाहन दौड़ रहे हैं।

2. थैली वाले तरह के वाहन दौड़ रहे हैं।

3. एक स्थान पे टैंकर खड़ा है जहाँ से लोग पानी भर रहे हैं।

4. पास में ही व्यापारियों की एक सभा हो रही है।

(घ) 2. राधिका रस्सी कूद रही है।

3. चिड़िया उड़ रही हैं।

4. बालक पानी की पाइप पकड़ नी३ की कोशिश कर रहा है।

5. बूढ़ा माली पौधों को पानी दे रहा है।

(ङ) सुनना - कान सुनते हैं

जीभ - जीभ से स्वाद का पता चलता है

पैर - पैरों से चलते हैं।

हाथ - हाथों से अपने काम करते हैं।

नाक - नाक से सूंघते हैं।

अध्याय 11 क्रियाविशेषण

(क) 1. थोड़ा   2. उधर   3. आगे -आगे   4. केवल   5. अचानक

(ख)1. बाहर   2. तेज़   3. अच्छा   4. बहुत   5. ओर

(ग) 2. घोड़ा तेज़ दौड़ रहा था।

3. मैं बहुत पढ़ता हूँ।

4. आप उधर चलिए

5. वह सचमुच सो रहा है।

(घ) दिनभर - मज़दूर दिनभर काम करता रहा।

भीतर - भीतर चलो।

आगे-आगे - प्रकाश जुलुस में आगे-आगे चल रहा था।

निरंतर - वर्षा निरंतर हो रही है।

एकाएक - एकाएक ओले पड़ने लगे।

केवल - केवल पढ़ने रहने से ही प्रगति नहीं होगी।

अध्याय 12 वाक्य

(क) 1. कोयल कूकती है। 2. किसान फसल काट रहे है।

3. बादलों से पानी बरसता है। 4. बाग में फूल खिले हैं।

5. माता जी खाना बना रही हैं।

(ख)

उददेश्य	विधेय
कुत्ता	ज़ोर-ज़ोर से भौंक रहा है।
शेर	जंगल का राजा है।
नेहा	पत्र लिख रही है।
नदी	पूर्व की ओर बह रही है।

(ग) ---- लड़की सो रही है।

तितली फूल पर बैठी है। झरना बाह रहा है।

अध्याय 13 विराम चिह्न

(क) पूर्ण विराम (।) अल्पविराम (,)

प्रश्नवाचक (?) विस्मयसूचक चिह्न (!)

(ख) 1. आप कहाँ जा रहे हैं?

2. रजनी , निशेता, बबलू, सीमा और माधव खेल रहे हैं।

3. अरे ! आप कब आए?

4. कुत्ता क्यों भौक रहाहै?

5. कमल, गेंदा, गुलाब और गुड़हल फूल हैं।

6. खरगोश घास पर बैठा गाजर खा रहा है।

(ग)(।) 1. मोहन बाजार जाता है।

2.आज रविवार है ।

(,) 1. बाजार में आलू , गोभी ,मटर सभी

2. सब्जियाँ ताजी थी ।

(?) 1. दशहरे की छूट्-टियाँ कब से हैं ?

2. मेरा बैत किसने लिया हैं ?

(!) 1. बाप रे ! इतना बड़ा सांप ट्

2. अहा ! क्या शाट मारा है ।

(घ) यह चित्र एक तालाब का है । इसके पास एक वृक्ष भी है जिस पर गिलहरी बैठी है । तीन मछलियाँ और एक कछुआ पानी पर तैर रहे है । एक मेंढ़क किनारे ज़मीन पर बैठा है ।

अध्याय 14 मुहावरे

(क) कान भरना - चुगली लगाना

आँखे खुलना - सच्चाई का पता लगना

उल्लू बनाना - मुर्ख बनाना

टांग अड़ाना - बाधा डालना

हाथ मलना - पछताना

पीठ दिखाना - भाग जाना

मक्खी मरना - निठल्ले बैठे रहना

चमका देना - धोखा देना

(ख) ---बदल जाना

---क्रोधित होना

---इज्जत होना

---मुर्ख बनाना

---प्रभाव दिखाना

(ग) 1. कान भरना - चुगली करना

मोहन मेरे खिलाफ अध्यापक के कान भरता रहता है।

2. चाँद पर थूकना - निष्कलंक पर कलंक लगाना

रवि पर किसी तरह का आरोप लगाना चाँद पर थूकना है।

3. पेट में चूहे कूदना - बहुत भूख लगना

आज सुबह नाश्ता न करने के कारणअब मेरे पेट में चूहे कूद रहे हैं ।

4. उल्लू बनाना - मुर्ख बनाना

जादूगर हमें अपने खेल दिखाकर उल्लू बना गया ।

5. आँखे खुलना - होश में आना

अब मेरी आँखे खुल चुकी हैं , अब तुम मुझसे कुछ नहीं पाओगे ,

6. हाथ बँटाना - काम में मदद करना

विद्यालय की साफ-सफाई में छात्र भी कर्मचारियों का हाथ बँटाते हैं ।

अध्याय 15 तरह-तरह के शब्द

(क)1. तरु 2. वन 3. पुष्प 4. जलय

(ख) आग - अनल, अग्नि सूरज - रवि

पवन - वायु, अनिल घर - गृह, आलय

जल - पानी, नीर

(ग) --- हाथी, गज सांप, सर्प

नौका, तरणी दीपक, दिया सूरज, रवि

पृष्ठ 53

(क) गरमी x सरदी खिलना x मुरझाना

हँसना x रोना उदय x अस्त

अंदर x बाहर

(ख)1. पीछे 2. गरीब 3. अस्त 4. अनुचित 5. दिन

(ग) बाहर x भीतर असत्य x सत्य विशाल x लघु

आना x जाना मानव x दानव आदर x अनादर आदान x प्रदान

पृष्ठ 55

(क) 1. ---> घ .

2. ---> ङ.

3. ---> ग

4. ---> च

5. ---> क

6. ----> ख

(ख) 1. -------छायादार

2. -------भारतीय

3. -------बलवान

4. -------श्रोता

5. -------सहपाठी

(ग) चित्रकार गायक

शाकाहारी बढ़ई

कुम्हार मूर्तिकार

हलवाई लोहार

पृष्ठ 57

(क) हरी - भगवन, बंदर

जग - बर्तन, संसार

उत्तर - एक दिशा, जवाब

दंड - सजा, डंडा

(ख) 1. ---> ग.

2. ---> घ.

3. ---> ङ.

4. ---> क.

5. ---> ख.

(ग) जल - गिलास में ठंडा पानी है ।

कहीं जलने की गंध आ रही है ।

अंबर - हम अपने वस्त्रों की देखभाल करनी चाहिए ।

आकाश में घने बादल छाए हैं ।

हरी - बंदर भाग रहा है ।

शेर गुस्से में दौड़ रहा है ।

(क) गृह - आगामी रविवार को मेरे यहाँ गृह प्रवेश का कार्यक्रम है ।

ग्रह - हमारी पृथ्वी नीला ग्रह कहलाती है ।

पवन - शीतल पवन बह रही है ।

पावन - दीपावली के पावन पर्व पर मंगल कामनाएँ।

शोक - पूर्व प्रधानमंत्री के देहावसान पर शोक मनाया गया ।

शौक - मुझे फुलझड़ियाँ जलाने का बहुत शौक है ।

(ख) नीड़ -	घोंसला	ओर -	तरफ	प्रणाम -	नमस्ते
नीर -	पानी	और -	दूसरा	प्रमाण -	सबूत
(ग) पवन -	वायु	पाणि -	हाथ		
पावन -	पवित्र	पानी -	जल		
बात -	वार्ता	मात्रा -	केवल		
वात -	हवा	मातृ -	माँ		

अध्याय 16 श्रुतभाव ग्रहण

1. दो
2. चने का थैला। यह थैला मुझे चार साल बाद लौटा देना
3. मनोहर दास ने थैले को संदूक में बंद कर दिया।
4. रामजी दास ने चनों को खेत में बो दिया। फसल होने पर उसे पचास थैले प्राप्त हुए।
5. संदूक में

6. रामजी दास की

7. बुद्-धिमान बेटा

इस कहानी से सीख मिलती है कि हमें सदैव अपनी बुद्-धि से काम लेना चाहिए। बुद्-धि से किया गया कार्य सदैव फलदायी होता है

अध्याय 17 चित्र वर्णन

(क) स्वयं करें ।

(ख) 1. चित्र देखने से पता चलता है कि आज रक्षाबंधन है।

2. बहन भाई दोनों नए वस्त्रों में प्रसन्न दिख रहे हैं।

3. बहन अपने भाई के हाथों में राखी बाँधने जा रही हैं।

4. भाई का मुँह मीठा करने के लिए तश्तरी में मिठाई रखी है।

5. भाई भी अपना उत्तर दायित्व निभाने के लिए तैयार है और उपहार पास मे रख रखा है।

6. सामने टी . वी . स्क्रीन पर चिड़ियाँ उड़कर प्रसन्नता व्यक्त कर रही हैं।

7. यह त्योहार भाई-बहन के आपसी प्यार सद्-भाव का त्योहार है।

अध्याय 18 वार्तालाप संवाद लेखन

(क) आम - क्यों भाई केला कैसे हो ?

केला - ठीक हूँ , तुम कैसे हो ?

आम - क्या बताऊँ जब से सुगर जैसी बीमारियाँ बड़ी हैं मेरा महत्त्व कुछ कम हो गया है। डॉक्टर मेरा नाम लेके मना कर देते हैं।

केला - यही बात तो मेरे साथ भी है। मुझे तो डॉक्टर सुगर के मरीज को छूने से भी मना करते है। वह तो कही पूजापाठ के भने फिर भी मेरी क़द्र हो जाती है। ब्रतके दिन तो सब मुझे ही तलाश करते हैं।

आम - हाँ ठीक कहते हो। क्यों भाई संतरा तुम कुछ नहीं बोल रहे हो।

संतरा - भाई मुझे तो सभी पसंद करते हैं क्योंकि में खटटा- मीठा दोनों स्वाद देता हूँ।

(ख) रीना - कहो बहन कहाँ से आ रही हो ?

सीमा - मैं तो सत्संग में गई थी। तुम कहाँ से आ रही हो ?

रीना - मैं तो अस्पताल से आ रही हूँ। नियमित जाँच करनी थी।

सीमा - आज कहीं आना-जाना भी बड़ा मुश्किल होता जा रहा है।

रीना - हाँ सारा समय लाइन में लगे रहो , उसके टैफिक जाम अलग से ।

सीमा - क्या करें बहन मज़बूरी है। आदमी काम पर चले जाते हैं तो हमें ही सारे काम करने पड़ते हैं।

रीना - तुम ठीक कहती हो। अब मैं चलती हूँ , मेरा स्टैंड आने वाला है।

(ग) गुलाब - कमल भाई तुम्हारे तो मजे हैं। हर समय मे पानी में रहते हो। मुझे देखो गर्मी की ऋतू में बूँद-बूँद के लिए तरस जाता हूँ

कमल - ऐसी बात नहीं हैं गुलाब भाई। पानी में खड़े -खड़े मैं भी ऊब जाता हूँ मुझे भी सूखा स्थान

अच्छा लगता है पर क्या करे किस्मत ही ऐसी ही है।

गुलाब - तुम तो बहुत महत्त्वपूर्ण हो , आखिर भारत के राष्ट्रीय फूल जो हो।

कमल - यह बात तो कहने मेंथीक लगती है पे तुमसे ज्यादा भाग्यशाली नहीं हूँ , तुम तो ईश्वर स्पर्श

करते हो भगवन के गले का हार बनते हो।

गुलाब - शायद तुम भूल रहे हो मित्र कि शेषशायी विष्णु और लक्ष्मी तुम्हारे सविध्य मे ही रहते हैं

कलम - हाँ यह तो ठीक है शायद हम दोनों ही महत्त्वपूर्ण और भाग्यशाली हैं ।

अध्याय 19 कहानी लेखन

स्वयं लिखें।

अध्याय 19 कहानी लेखन

स्वयं लिखें।

अध्याय 20 पत्र लेखन

(क)

(ख)

(ग) बुक में पेज 70 -71 में

अध्याय 21 अनुच्छेद लेखन

1. बरसात का एक दिन

देखते ही देखते जोरों की वर्षा शुरू हो गई। गनीमत थी कि उस दिन मैं घर से छाता लेकर गया था अतः और मेरी पुस्तके भीगने से बच गई। जोरदार बारिश के कारण सड़कों पर पानी बाह चला तथा जगह - जगह वाहन फंस गए बरसात होने के कारण कोई भी निगम का कर्मचारी दिखाई नहीं पड़ा। लोग घुटने भरे पानी में चलकर किसी तरह घर पहुँचे। कुछ भी हो मैंने इस सुहावने मौसम का खूब आनंद लिया ।

2. रंगों का त्योहार-होली

यह रंग - बिरंगा त्योहार मार्च महीने अथवा फाल्गुन मॉस की पूर्णिमा को हर्सोल्लास के साथ मनाया जाता है । इस अवसर पर होलिका दहन किया जाता है । सुबह से ही बच्चे रंग और पिचकारी लेकर जहाँ- तहाँ एकत्र होकर रंगों से एक- दूसरे को सराबोर कर देते हैं। इस अवसर पर बड़े- बुजुर्ग भी मस्ती और उल्लास में दिखाई पड़ते हैं । ग्रामीण अंचल में फ़ाग गाय जाता है । ढोलक और मंजीरे की थाप पर 'होली खेलें अवध रघुबीरा ' की गूँजवातावरण को संगीतमय बना देती है । इस अवसर पर विशेष व्यंजन 'गुझिया' बनाई जाती है । आपसी प्रेम और भाईचारे का यह त्योहार हम सबके जीवन में खुशियों के अनगिनत रंग भर दे प्रभु से यही प्रार्थना है ।

3. अगर मैं पतंग होता तो

अगर मैं पतंग होता तो आसमान की अनंत ऊँचाइयों की सैर करता। ऊपर पहुँचकर में नीचे के प्राणियों और वस्तुओं को देखकर अपने को श्रेष्ठ समझता। आसमान में विचरण करने वाले पक्षियों से में प्रतिस्पर्धा करता और कामना करता कि मेरी डोर और ढीली होती रहे। मेरी डोर से पक्षी घायल न हों मैं इसका विशेष ध्यान रखता। मैं देखने वालों का भरपूर मनोरंजन करता।

वर्कशीट - १

(क)1. राष्ट्रभाषा है 2. महाराष्ट्र 3. फारसी 4. संकेतों को

(ख) जानवर - ज + आ + न + अ + व् +अ + र +अ

मुरगी - म् + उ+ र + अ + ग् + ई

मोरनी - म् + ओ +ट् +अ +न + ई

(ग) च्च - बच्चा, कच्चा ल्ल - प्रफुल्ल, मल्ल

द्य - विद्या, गद्य स्त - सस्ता, बस्ता

(घ) पेज 76

वर्कशीट - 2

(क) महात्मा गांधी राधिका हिमालय

आदमी लड़की पर्वत

बुढ़ापा सुंदरता ऊँचाई

(ख)1. हिरनी 2. धोबी 3. मुरगी 4. नानाजी 5. चूहा

(ग) चिड़िया ---> चिड़ियाँ टोकरी ---> टोकरियाँ

पंखा ---> पंखे गेंद ---> गेंदें

गाय ---> गाएँ घोड़ा ---> घोड़े

आँख ---> आँखें रात ---> रातें

नदी ---> नदियाँ डिबिया ---> डिबियाँ

(घ) मैं - मैं रामलीला देखने जा रहा हूँ।

तुम - तुम वहाँ क्या कर रहे हो?

वह - वह भी सैर करने जा रहा है।

ये - लड़के कहाँ जा रहे हैं।

वे - वे रमेश के माता-पिता हैं ।

वर्कशीट - 3

(क) बड़ा पेड़ सुंदर औरत रंग-बिरंगे फूल

हरा पेड़ हँसमुख औरत सुंदर फूल

(ख)1. कौआ काँव-काँव कर रहा है।

2. बालक ने खाना खाया।

3. रमा मेला देखने जाएगी।

4. नदी बह रही है।

5. दादी ने कहानी सुनाई।

(ग) अचानक - वर्षा अचानक होने लगी।

धीरे-धीरे - हम मंदिर के द्वार तक धीरे-धीरे पहुँच ही गए।

तेज़ - आज हवा तेज़ चल रही है।

दिनभर - मजदुर ने दिनभर खुदाई की।

(घ) रात x दिन अँधेरा x उजाला आगे x पीछे बाहर x अंदर

दोस्त x दुश्मन सुख x दुख कच्चा x पक्का ठीक x गलत

(ड़) वृक्ष, तरु, गाछ नयन, नेत्र, चक्षु

पुष्प, प्रसून, कुसुम

वर्कशीट - 4

(क)1. चित्रकार 2. सबल/बलवान 3. साकार

4. कवि 5. ग्रामीण

(ख) अंबर - आकाश, वस्त्र पानी - जल, चमक

बल - सेना, ताकत दंड - सज़ा, कसरत

(ग) 1. इस चित्र में एक शेरनी तथा दो शावक दिखाई दे रहे हैं।

2. शेरनी चौकन्नी होकर दे रही है।

3. जंगल सुनसान पड़ा है।

4. आसपास कोई भी पशु पक्षी नहीं है।

5. दोनों शावक भूखे लग रहे है।

वर्कशीट - 5

1. गाँव में
2. रोगी की
3. साँप
4. वैद्य को
5. बच्चे को पेड़ पर इसलिए चढ़ाया ताकि साँप बच्चे को डस ले और वह उसके इलाज के बहाने उससे पैसे ऐंठ सके।
6. बच्चा के हाथ में मैना की जगह साँप आ गया तो उसने झटके के साथ साँप को फेंक दिया जिससे वैद्य जी को डस लिया।
7. जो दूसरे के ली गड्ढा खोदता है, वह स्वयं उसमें गिर पड़ता है। जैसी करनी वैसी भरनी।

।।